successful completion of the feasibility study.

सौराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने वाले राज्य के राजमार्गों की संख्या और उनकी लम्बाई

912. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सौराष्ट्र से होकर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने वाले राज्य के राजमार्गों की संख्या और उनकी लम्बाई कितनी-कितनी है;

(ख) देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई की तुलना में उपर्युक्त राज्य के राजमार्गों की प्रतिशत लम्बाई कितनी है; और

(ग) सौराष्ट्र क्षेत्र में विभिन्न राज्य के राजमार्गों पर किये जा रहे विभिन्न कार्यों का ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) 36 राज्यीय राजमार्ग जिनकी कुल लम्बाई 3428 कि०मी० है, सौराष्ट्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ते हैं।

(ख) 10 प्रतिशत।

(ग) सांविधानिक रूप से भारत सरकार केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सड़कों के निर्माण/विकास एवं रख-रखाव के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रीय राजमार्गों से भिन्न सड़कों अर्थात् राज्यीय राजमार्गों आदि के निर्माण/विकास और रख-रखाव संबंधित राज्य सरकार के कार्य-क्षेत्र में आता है और उसने सूचित किया है कि सौराष्ट्र क्षेत्र में 2476.29 लाख रु० की लागत की लगभग 671.10 कि०मी० लम्बे राज्यीय राजमार्गों के सुधार की स्कीमें चल रही हैं।

गुजरात में तेल के खोज-कार्य में लगी एजेन्सियां

913. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में तेल और प्राकृतिक गैस के नए स्रोतों के खोज कार्य में लगी एजेंसियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) यह खोज कार्य किन-किन स्थानों पर चल रहा है;

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान इस कार्य पर कितनी धनराशि खर्च की गई है;

(घ) अब तक किये गये खोज कार्यों के क्या परिणाम निकले हैं; और

(ङ) प्रस्तावित परियोजना को लागू किय जाने से इस राज्य की प्राकृतिक गैस की मांग को किस हद तक पूरा किया जा सकेगा?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) गत तीन वर्षों (1992-93 से 1994-95) के दौरान आयल एंड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड गुजरात राज्य में हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण में लगा हुआ था।

(ख) फिलहाल गुजरात राज्य के कंबेल-बेचराजी-विठलपुर, नवगांव-बरेजा, असजोल-जोटाना-सोभासान, बालिसान, अक्षरधाम, गांधीनगर, गंधार-परवाजन, उत्तरी कादी, मनसा, मींच-नंदासन-लंघनाज, मेवाड़, पलियाड़, लिम्बोदरा, अहमदाबाद-अलोटर्स-नंदेज, कलोज, विरज, गमीज, सानंद, नादा तथा पदरा क्षेत्रों में अन्वेषण कार्य (भूकंपी सर्वेक्षण तथा अन्वेषण वेधन) चल रहा है।

इसके अतिरिक्त आर जे-ओ एन-90/1 नामक एक ब्लाक, जो अंशतः गुजरात राज्य में पड़ता है, के लिए संविदा पर मई, 1995 में हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ग) गत तीन वर्षों (1992-93 से 1994-95) के दौरान गुजरात राज्य में अन्वेषण पर ओ एन जी सी द्वारा निम्नलिखित व्यय का वहन किया गया है:

(करोड़ रुपए)

	1992-93	1993-94	1994-95
अन्वेक्षण सर्वेक्षण	39.96	41.70	42.07
वेधन	246,02	136.73	183.17
कुल:	285.98	178.43	225.24

(घ) गुजरात राज्य में अब तक किए गए अन्वेषण कार्य के परिणामस्वरूप 78 क्षेत्र संरचनाएं हाइड्रोकार्बन युक्त सिद्ध हुई है तथा 1.4.95 की स्थिति के अनुसार 1108.94 मि०मी०टन तेल एवं गैस के समतुल्य तेल (ओ०+ओ०ई०जी०) का आरंभिक स्थलगत भंडार स्थापित हुआ।